



BAPPA SRI NARAIN VOCATIONAL POST GRADUATE COLLEGE (KKV)

STATION ROAD, CHARBAGH, LUCKNOW, UTTAR PRADESH-226001

DEPARTMENT OF SOCIOLOGY

PROF. VIJAY KUMAR
HEAD

EMAIL: kvijay297@gmail.com

MOB. NO.: 8924098580

DATE: 21/01/2023

रिपोर्ट

समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विजय कुमार के निर्देशन में आज दिनांक 20.01.2023 को महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में एक व्याख्यान संपन्न हुआ। व्याख्यान प्रोफेसर राजेश मिश्र पूर्व विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के द्वारा दिया गया। व्याख्यान का शीर्षक " **Critiques of Positivism** " था। सर्वप्रथम प्रोफेसर वंदना ने सेमिनार में आए हुए मुख्य अतिथियों को मंच पर आने के लिए आग्रह किया। उसके बाद मुख्य वक्ता, प्राचार्य, उप प्राचार्य तथा विभाग के विभागाध्यक्ष तथा सभी सेमिनार में उपस्थित प्राध्यापकों ने सरस्वती प्रतिमा पर फूल अर्पित किए। इसके बाद मंच पर आसीन अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। प्रोफेसर वंदना के द्वारा व्याख्यान कर्ता महोदय का संक्षिप्त परिचय दिया गया। विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र प्रोफेसर विजय कुमार द्वारा विषय प्रवर्तन किया गया। इसके उपरांत मुख्य वक्ता को उपर्युक्त शीर्षक पर बोलने हेतु आमंत्रित किया गया। प्रोफेसर राजेश मिश्र जी के द्वारा सर्वप्रथम प्रत्यक्षवाद क्या है? इस पर संक्षिप्त दृष्टि डाली। उनका कहना था कि प्रत्यक्षवाद का संबंध सकारात्मकता से है तथा इसका प्रयोग सर्वप्रथम फ्रांसीसी भाषा में हुआ सेंट साइमन ने सर्वप्रथम इसका प्रयोग किया। इसके बाद आगस्त कोंत, इमाइल दुर्खीम, हरबर्ट स्पेंसर, मैलिनोवस्की, रेडक्लिफ ब्राउन, आर के मर्टन इत्यादि ने इसको आगे बढ़ाया। मिश्र जी ने बताया कि डिल्थे, रिकर्ट इत्यादि ने सर्वप्रथम प्रत्यक्षवाद की आलोचना शुरू की। इसके बाद प्रत्यक्षवाद की आलोचना में कार्ल पापर, थामस कुन और फायरबैंड पर विस्तृत रूप से मुख्य वक्ता के द्वारा प्रत्यक्षवाद की आलोचना पर व्याख्यान दिया गया। प्रोफेसर मिश्र द्वारा कार्ल पापर के मिथ्याकरण पर तथा थामस कुन के रूपावली परिवर्तन पर प्रकाश डाला। इसके बाद उन्होंने कहा कि प्रघटना शास्त्र और उत्तर-आधुनिकता ने भी विज्ञान-वाद की कटु आलोचना की है। व्याख्यान बहुत सारगर्भित रहा। सभी श्रोताओं ने पूरे मनोयोग से व्याख्यान को सुना। व्याख्यान सुनने हेतु ए पी सेन गर्ल्स पीजी कॉलेज, लखनऊ एवं जय नारायण पीजी कॉलेज, लखनऊ से विद्यार्थी और शिक्षकगण भी आए थे। व्याख्यान समाप्त होने के बाद उप-प्राचार्य प्रोफेसर अशोक दुबे, प्राचार्य प्रोफेसर रमेश धर द्विवेदी, एसोसिएट प्रोफेसर

उमेश सिंह ने भी विषय पर अपना मत प्रकट किया | उसके उपरांत समाजशास्त्र विभाग द्वारा पूर्व में आयोजित निबंध और पोस्टर प्रतियोगिता में विजेताओं को मुख्य वक्ता और प्राचार्य जी के कर कमलों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किया गया | इसके पश्चात व्याख्यान के शीर्षक पर प्रश्न वक्ता से पूछे गए तथा वक्ता के द्वारा उत्तर दिया गया | इस पूरी प्रक्रिया में विभाग के शिक्षक डॉ मोहनलाल मौर्य तथा डॉ संजय कुमार शुक्ला ने काफी सहयोग किया | अंत में विभाग के वरिष्ठ शिक्षक प्रोफेसर जयशंकर प्रसाद पांडे जी के द्वारा सेमिनार में आए हुए विभिन्न महाविद्यालयों के सभी शिक्षकों तथा विद्यार्थियों का और धन्यवाद देकर सभा का समापन किया |











निबंध प्रतियोगिता परिणाम

दिनांक 21.12.2022

शीर्षक : "महिला सशक्तिकरण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता"

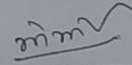
क्रम संख्या	प्रतिभागी का नाम	वर्ग	प्राप्तांक	स्थान
01	गौरव पाण्डेय	रम.ए.सेमे. II	15.5	प्रथम
02	सौम्या शर्मा	रम.ए.सेमे. II	15	द्वितीय
03	कौमल मोर्य	रम.ए.सेमे. I	14.5	तृतीय
04	नम्रता सिंह	बी.ए.सेमे. III	14	सांत्वना पुरस्कार

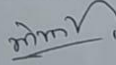
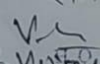
पोस्टर प्रतियोगिता परिणाम

शीर्षक : "महिलाओं के विरुद्ध हिंसा"

दिनांक 22.12.2022

क्रम संख्या	प्रतिभागी का नाम	वर्ग	स्थान
01	अंजनी सिंह	रम.ए.सेमे. I	प्रथम
02	नैहा श्रीवास्तव	बी.ए.सेमे. I	द्वितीय
03	प्रीती	शोध छात्रा	तृतीय
04	कौमल मोर्य	रम.ए.सेमे. I	सांत्वना पुरस्कार


 सह-समन्वयक
 (डा. रम. रल. मोर्य)

for 
 समन्वयक

 (Prof. V.K. Singh)
 Dept. of Soc.
 B.S.N.V. P.G. College
 Lucknow

(Head)
Department of Sociology